

धृष्यमानः ॥ गतया धनुःकायः ॥ उग्रादिव ॥ वायव्यदिशि तु ॥ निश्चिक्वा नि
शितकथं ॥ इति नि ॥ न्य ॥ मगर्व ॥ य ॥ विष्णुवज्रह ॥ हि ॥ हंकावकिव ॥ क
व ॥ वज्रवि ॥ वज्रकिवन ॥ नि ॥ सं ॥ थय ॥ रं ॥ छि ॥ हग ॥ वज्रपाकाव ॥ व ॥ य ॥ ज ॥ व ॥ व ॥ वि ॥ ग
ने ॥ व ॥ ज ॥ स ॥ व ॥ ज ॥ म ॥ य ॥ ह ॥ मि ॥ ति ॥ ॥ ग ॥ म ॥ थ ॥ पु ॥ दि ॥ नि ॥ व ॥ ज ॥ स ॥ त्व ॥ नू ॥ या ॥ म ॥ क ॥ ॥ व ॥ ली
॥ वी ॥ ज ॥ या ॥ य ॥ जी ॥ मा ॥ न ॥ व ॥ ज ॥ हं ॥ का ॥ व ॥ वि ॥ ष्ण ॥ क ॥ स ॥ र्थ ॥ स ॥ ॥ रं ॥ व ॥ वां ॥ का ॥ पी ॥ वा ॥ र्था ॥ वा ॥ वि ॥ द ॥ व
ल ॥ न ॥ क ॥ र्थ ॥ ना ॥ पि ॥ च ॥ कु ॥ थ ॥ ॥ व ॥ ॥ क ॥ ल्या ॥ ना ॥ व ॥ न ॥ व ॥ ज्ञा ॥ क ॥ ॥ म ॥ ली ॥ वि ॥ सं ॥ च ॥ य ॥ क ॥ व ॥ व ॥ य ॥ नि
व ॥ नि ॥ वि ॥ व ॥ उ ॥ ग ॥ दि ॥ न ॥ र्थ ॥ वृ ॥ न्दा ॥ नि ॥ ॥ नि ॥ र ॥ छि ॥ म ॥ द ॥ वी ॥ न ॥ मू ॥ व ॥ स ॥ वा ॥ ने ॥ व ॥ वा ॥ उ ॥ व ॥ वृ ॥ द ॥ थो ॥

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

ॐ नमः श्रीवक्रसत्वाय॥ अक्षि यान विविमलका धृति॥ अमरकः अमयः सादरः सा
धोः साधलः यं वामनः यान ४ मगं धोः किं सिः धूः नायः पा नायः अकृणः ०२ काः पकाः
वक्रसंः य १ धयः य १ लिंकलसः क्रयकंः सिमनः ययलासः कवा १ द्वाहासाकवाः य १
पंचवलः लाय यनाः पोहः पंरुः आल ३ यं वलनतः आ ३ यल अहययः आ २ दिष्टिः
कृष्णका उदलाना यः नयदायं वलनकाः १ कृष्णगायुकाकिः या ३ अदवाः द्रयः हा ३

७ दाहाल्लार्कतिः किहः निसताः कृतिः अपकिमालकाः अरुः अरुसंखधिमालका
 ४४ ४४ यः वयसिमालः साइइकृतिः अरुनकृतिः पूत्राहशालं कृतिः हाइ ४ दाहाल्लार्क
 कृतिः किहः निसताकृतिः पाइसगक्षो कृतिः नेवइयकृतिः दक्षिणामात्रकाः धुनित्रसमि
 यागः ॥ गुरु ॥ ॥ किलनयाविधि ॥ धुनिमात्रकृतिः ॥ अमः ॥ अमयः साइइः साक्षीः सा
 धलः चंदासुतः तिथिलंखः नायः धानासः ४५ ४४ सिद्धमालकाः पा ४ सवकंक्षीः अ

लासः क१ पूजाआः कलसः क१ यकः सिद्धमः क१ वा ३ दा होलाः थ ३ पंचयलवः १० 
 म१ यंचवसुगकाः प्रोहः यंरुतः मातकोः म२ मपनउगयागुः आ१२ दिष्टिः
 आ१२ मपले ~~अहपयः~~ आ२ पंचरत्नः क१ काः प्रकाः न१ क१ नायः लमलानः
 सिद्धमालकाः पू१० नकिः गाहकः या१ द्वा मूत्रदवाः ह१ आः गधिवामालकाः या१ ह
 क१ न३ आः या१ ह्या मूत्रद३ आः या३ गा मूत्रद३ आः शात्र वंदनः गक वंदनः यकायूमात्र

काः या१४ मूत्रः क१४ न्रासंखधिः द्यौग थायकिः यात्र १७ गायजनवतः यंचवृहिः आ
 त्रगनरुतः क१२० कडमधिः यंचयगाकः क१ लूयकाः मालकाः समयकारः क१ नः ठाः ला
 : स्वावः म१०० मयः पूजाह क१ : या१ मग म१ क१ : निमगा क१ : समयक१ ॥ किल म१ :
 ॥ धूमि किं यात्र द१ ॥ गृह ॥ ॥ धनम मूलपुमिष्टा द१ ॥ क१० म१ मयपाः क१ न म
 म१ क१ पूः म१ १० मयः म१ ग थायिपात्र सहः चलाः निगताः खः ठाः स्वायाकः न म थायि

खायः २६: डा: ता: रु: १२ वडमधिर्कः रु: १२ वडमधि: जातः कवादीवा: कृति
कवादीवा: जातनमातः कमुकपतः रामयः खातः जातनि: चयलतद्वर्गः ~~हि~~
निमसिमा धकि २४: निमरा २४ नयान २४: मतिप्रयक्तः नायवनि: रामा
मधि: सिद्धूतज्ञायात सिद्धमातः मधिना २४ दयकमातः कृति: जातनीमातः
लोकनयात: यातन जातः थडा २ गफुपमानमातः ॥ वनि द्यासा: कान

[illegible]

कायविः चराः निगताः स्वः डात्राः स्वयः पानदन्ताः चउमवि २८ क्रमात्रः विमाः ३५
नात्रिकाः क१ पानदन्तः क३ प्रजाकाः पयः क३ न१ जवदिष्टिः क१० दिष्टिः क३ प्रय
अहपरेः या१२ यं वलत्तः यवामृगः ५१९ यं ववत्ताः यं ववत्तः कवा १०। ग
यकनाः मात्रकाः यो ह मात्रकाः पं ह मात्रकाः तीर्थस्वः य३ नागव्यः नागव्य
समन्तः दियताः यव यं वयनामात्रकाः क१ यकायातग ह्यामः क३ क३ इ३ अ३ उ३

य३ अ३ मात्रकाः ३५१ यात्रः ३५१ उ३ म३ सिः या३१ अ३ मात्रकाः अ३ यकि मात्रकाः ३५
हं स्ववि मात्रकाः ३५१ यमात्रकाः कि सत्रि मात्रकाः या३१ स३ गं३ ३५ गतासु २०। ३५
न३ क३ य३ वाः ३५१ न३ ग३ म३ थ३ पीः स्वा व यात३ नि३ ज३ दि३ वा३ स३ म३ न३ ३५१ कि३ क३ त३ स३ ३५१
स३ म३ का३ स३ म३ न३ ३५१ दा३ हा३ स्वा३ क३ वाः दा३ द३ स३ म३ न३ क३ १ वा३ हा३ स३ म३ न३ पा३ ले३ ह३ ग३ वा
व३ उ३ व३ क३ क३ वा३ मात्रकाः ३५१ हं३ स३ क३ ३५१ ३५१ म३ सिः य३ १० दि३ वाः स्वा३ १० क३ उ३ स्वा

पाशादि ॥ वास्या ॥ र्विधवादि ॥ उति ॥ असाय्य ॥ उं आ का स पाद वि क्र त्या ॥ दनादि
नीयनपर्व ॥ महावज्रमयसुख ॥ अक्षा ॥ एव जादिना ॥ १ ॥ स्वागर्भमहासिद्धि ॥ माह
सुखादिदगा ॥ सुववज्रधवाजा ॥ सिद्धिम्ययवमान्कर्त्त ॥ २ ॥ निदाधासास्य
गावाक्षी ॥ स्ववागर्भनूवागर्भ ॥ गन्धनसिद्धिम ॥ एगवान ॥ महावाग्वमहागर्भ ॥ ३ ॥
अर्चयन्मुद्रधमाया ॥ आदिसूक्तिगथागम ॥ सुमन्त्रुष्टसुधामा ॥ वाक्षिसत्वायुसिद्धिम ॥
४ ॥ स्वागर्भमहासिद्धि ॥ माहसुखादिदगा ॥ सिद्धिवज्रमहाकक्षा ॥ वज्रगुलायम
मम ॥ ५ ॥ सर्वसत्त्वमनाव्यापि ॥ सर्वसत्त्वहृदिधिष्ठ ॥ सर्वसत्त्वाधिगोदिव ॥ का

वासेकनकने

मागुसंभयायार्ग ॥ १ ॥ नैनसत्यनमस्मान ॥ युथापार्यमंछुर्ल ॥ नमसत्यनमनाथ
कामातापवीर्य ॥ २ ॥ धनद्रुसुकनर्कन ॥ यतिविम्वभासाधमा ॥ आवासुखादिदगा
विना ॥ अहंराजहवावीत्यादि ॥ ३ ॥ गथनागत्वनिर्याग्यामि ॥ हृत्तिसेयर्भुर्ल
यतिविम्वरुत्तिस्थि ॥ सर्वयस्यानिकमभा ॥ ४ ॥ हृत्तिसत्त्वाधस्त्रन ॥ वक्रयम
यतिगृह्णमिम्यसत्य ॥ महावववति ॥ नमस्कावयाय ॥ थवीव ॥ आसनसवाका ॥ सिध
न ॥ माहनी ॥ स्वधनयाय ॥ मुद्रुर्ल ॥ अगुवीलिसमाधी ॥ माय ॥ ध्रुव ॥ निवाग ॥ पाशादि
वृष्ययास ॥ वास्या ॥ उति ॥ गयन ॥ सिधन ॥ माहनि ॥ आगनर्भ ॥ नर्क ॥ मुद्रमागाव

नमस्कावयाय

स्नानसंस्तवयाकेन कृत्वा उत्पन्नं मृगशयं ममात्र अष्टमृगिवाकवायुव
 ॥ ० ॥ अथातिरुतमायुर्वान सप्तवर्ध सप्तजिह्वि ॥ सैव नृकं महावार्जं स्वामि
 नत्वंति किनाश्चिर्न ॥ ० ॥ साक्षिण्यं च नीचं सकवसनं समस्तं वलीकनं बोद्धं
 यास्तनं पाकवागवाव स्वगं मध्यं पागावया स्वामिच्छुश्या ॥ ० ॥ विद्यागर्तं
 दृसीयाय मन्यनामि निष्ठां नृकं गत्वा कायावी वागीर्न नकाय्य तव गायन ॥ ॥
 ० ॥ साक्षिण्यं उपाययस्तु विद्यागयायकं गनं म ३ स्वगमध्यं पागावर्तं मया क
 थं तियाकनं उपाययस्तु वीगागयाय ग्ववर्तं मनेव ॥ ० ॥ सर्वकाकापरा

ग्यष्वमलंभः कुरुतयः पञ्चसिद्धसङ्गः न कान्यसमयवर्तः ॥ १ ॥ हासिष्यः
 नयास्यवृषनः समस्तः कामडयः गारुः ॥ कुरुतयः समयाङ्गन्यः ॥ वीक्ष्यमात्रीः ॥ डयः शालः
 ग्यः ॥ कुरुतयः ॥ हाग्ययाङ्गन्यः ॥ लयमदतः ॥ थथीः गुमीः ॥ ग्यः नवाङ्गवः ॥ लयनवकाः
 याङ्गन्यः ॥ ० ॥ ॥ उन्नरिष्यानि वन्धकार्यः ॥ निरुत्तस्य ग्रीनङ्गः ॥ लावायीननसंत्वाः
 अः ॥ सर्वरिद्रमिकुर्मः ॥ ० ॥ ॥ हासिष्यः ॥ याधीवन्धयायमनवः ॥ निरुत्तः
 डनमः ॥ नावतमनवः ॥ गुयूतावतमनवः ॥ ० ॥ ॥ नागिकीदीदकीर्तव्यः ॥ यः
 हापायनवतमः ॥ नागपिनासुर्तपायः ॥ नथगतवदोपथः ॥ ० ॥ ॥

[illegible]

ॐ सु धर्म पूरुषी काय सा ह ॥ ॐ धन धा ग ग गु ॐ न ना य सा ॥ वलि न वि दू ना य सा ह ॥
ॐ सु व र्ण य ता सा न मा य सा ह ॥ पं क्ते य हा व दू गा ॥ वा त्या ॥ रु सि ॥ ॐ नि वि क ल न भा
लु त्वा य सा या व मि त मि त ॥ या त्वे स च न व या गि नी व द य नि त्त क क ॥ ॥ ध न र व क न्य ॥
ॐ हा र्द म व द शि ता ल्य य ॥ ॐ मी व ला मू त्या द य ॥ गा व दा वा धि र्मं लु ल नि ख उ ना ॥ ध
र्म स व र्ण ग च्छ मि ॥ वि ग ग नी ॥ पु व र्ण र्ण ॥ ॥ ध न ग र्ण न ॥ आ ह्वा वि या व ॥ मि ध न
गु न या व र न र्द ण व ॥ ध न ॥ ॥ रु गु न ॥ ग थ रु न धा न र्ण ॥ आ ह्वा द य क व ॥ अ थ
जि न ॥ ध नि नी र्ण ॥ आ व र्ण या ण व ॥ न थ ग न या ॥ र्ण न मे रा ना र्ण ॥ जि न ॥ ध म्म

मं लु ल स ॥ इ वि च क ॥ पु स न रु य मा न व क ॥ मि क न ॥ गु न या क ॥ यि न य या ग र व ॥ ॥
ध या लि व ॥ म लु ल स ॥ क व र्ण र व य ॥ हा य क न य ॥ ॥ ॐ ध र्म नु सी न ग न पु व दि
र्ण ॥ अ वा पी क ॥ पा न नि धा नि क ॥ ग म्मो व त्ना य ॥ ॐ दं पू र्ण मं लु ल नि र्ण मि ॥ ॥ ध
या वि व ॥ व लि स व र व हा य क न य ॥ ॥ ॐ पु र्ण पा न मि त्त म हा या व मि त्त म हा र्ण
न ॥ म हा व त्त र्ण क र्ण ॥ ॐ न व र्ण र्ण वाम न रु र्ण ॥ रु जि द्यु ॥ पि द्यु ॥ य र्ण व द्ध नी क ल र्ण
म ध व द्ध नि ॥ पि वि र्ण ॥ व द्ध व द्ध नी य सा ह ॥ ॥ य र्ण पु र्ण व द्ध नी ॥ ध र्ण र्ण ॥ र्ण र्ण र्ण
लु ल यि र्ण र्ण य ॥ ॥ ॐ स व र्ण न क न र्ण र्ण ॥ स व र्ण न क न व र्ण र्ण ॥ स र्ण र्ण

द्वितीयं धारयमं भुलं सारयि ॥ धनपादाय ॥ ॐ श्रीमं नमो ॥
श्री ३ संदमं भुलं सारयि ॥ धारयमं नमो ॥ धनपादाय ॥ ॐ श्रीमं नमो ॥
किं नमो ॥ धारयमं नमो ॥ धनपादाय ॥ ॐ श्रीमं नमो ॥
ॐ वज्रपादाय ॥ धारयमं नमो ॥ धनपादाय ॥ ॐ श्रीमं नमो ॥
ॐ किं नमो ॥ धारयमं नमो ॥ धनपादाय ॥ ॐ श्रीमं नमो ॥
मातिमं नमो ॥ धारयमं नमो ॥ धनपादाय ॥ ॐ श्रीमं नमो ॥

मा धनमं नमो ॥ धारयमं नमो ॥ धनपादाय ॥ ॐ श्रीमं नमो ॥
संनमो ॥ धारयमं नमो ॥ धनपादाय ॥ ॐ श्रीमं नमो ॥
कन ॥ धारयमं नमो ॥ धनपादाय ॥ ॐ श्रीमं नमो ॥
खड्ग ॥ धारयमं नमो ॥ धनपादाय ॥ ॐ श्रीमं नमो ॥
आयस्युसन ॥ धारयमं नमो ॥ धनपादाय ॥ ॐ श्रीमं नमो ॥
वस्य रुयकं ॥ धारयमं नमो ॥ धनपादाय ॥ ॐ श्रीमं नमो ॥
यात्रीव ॥ धारयमं नमो ॥ धनपादाय ॥ ॐ श्रीमं नमो ॥

मुनि ॥ ॐ ह्रीं कारं संहाना थं क नू ध थं समधीमानस ॥ अर्मा वा सी नामाना लाक नार्थ नमा
सिद्ध ॥ वारव क न्य थ न ॥ नरु क न य ग ॥ थ र्धि ग्व य न म भव ॥ अर्मा द य म ॥ वा क
भवया ॥ क थ क ह न्य ॥ ग थ ध व सा ॥ थ निया ना निया व व न हा ॥ क न था या सू य उ द य व
म र्श वं छा क न सा ॥ या गि र्व न्ध न या य म न व ॥ म य यान सि व र य म न व ॥ म व या व न क स
वा र वा य म न व ॥ रु स र व द्रा य म न व ॥ ला क स्वा न न क र्प म न व ॥ य्या र न हू य म ॥ म हा न
म न व ॥ थ जा व ॥ आ म न स ॥ वा न्य म न व ॥ रु नी ॥ वि ॥ वि क न ॥ वा ॥ हा ॥ ना न ना व ॥ व क्त व य्या
ध व र थ मा व र ॥ ध र्ति न ॥ गु र या आ हा ॥ सि न न ध व र य मा व र ॥ थ री व अ य य या य न

ॐ भव ॥ भि वी ॥ क ल ॥ य व ॥ रु व ॥ हा हां ॥ ह्रीं ह्रीं ॥ ॐ का व व क्त व म ध र्व ॥ ध व ॥ धू रू ॥ धि
वी ॥ र न ॥ म व ॥ न सि म रु स य नी म गु ल ॥ स नी ॥ रं क र्व ॥ र ग व न ॥ थ मा दि ल य म व रू
॥ कू य व ध न द वि धि ॥ द व ग ॥ ल य ॥ धि क ॥ अ र्थ व व दाय जी ॥ स्वा हा ॥ ध री व अ र्थ
वा क म ग्व ॥ हा हा व ॥ मं धु ल स कू टि न क ॥ ॥ ॐ न मा व न्न य या य ॥
ॐ न मा आ य्या व वा कि न ॥ व वा य ॥ वा धि स त्वा य ॥ म हा स त्वा य ॥ म हा का व नि
का य ॥ न य थ ॥ ॐ अ मा र्थ सि व ॥ म हा सि व ॥ शु क्त स त्वा ॥ त व ॥ र मं त रं य म वि
रु वि म ॥ रु क ध व स मं स ॥ व वा कि न ॥ व वा य ॥ ॐ क ॥ अ र्क ॥ रु द्वा ॥ ॐ हा ॥

अथाशीववलिविय ॥ ॐ अमार्चवाग ॥ तेलोक्कदय्यवाय ॥ महाकावलीकाय ॥ दावीड
 इस्वयुसमनाय ॥ अ ॥ भवनायक संत्वाद्यावतनय्यवाय ॥ यंवासुगहृदिना ॥ मयगृह्य
 ॐ आ ॥ कंरुट्वाहा ॥ यंवापुहावयूजा ॥ मंननयंविद्य ॥ अथाशीव ॥ दवयूजाया
 य ॥ महावाशीवीय ॥ दगुवीववीविद्य ॥ पवीद्यावयूजा ॥ खानननक ॥ वरुका
 स ॥ वनकाननकायक ॥ विसंजनयाय ॥ गुह्ययूजा ॥ दकिष्ण ॥ कमायन ॥ कंसाति
 क ॥ आसिखा ॥ धनकाय ॥ पावन ॥ सगिदू ॥ कुमावीरुज ॥ ना ॥ रुन ॥ ॐ निअष्टि
 ति

वकसमाय ॥ ॐ ॥ अशीवकिवनविधि ॥ यवीपागआसंगयाशवा ॥
 थापना ॥ कु ॥ यिनाय ॥ माहाका ॥ दवयय ॥ वाधुस ॥ पाग ॥ थमिथायनाधूनकाव ॥ सूर्याय
 गुह्ययाताय ॥ मवजागार्थ ॥ किनायाठरुय ॥ दगुवी ॥ पागनासधुव ॥ रुमिधधनयाय
 ये ॥ कुगुका ॥ ददाय ॥ जाय ॥ धूप ॥ निमंनना ॥ ध्यान ॥ ॐ विसमाधिवनकव रुम धनिर्ष
 य ॥ वृष्यदिकादिति ॥ वगुका ॥ धाव ॥ वगुहाव ॥ धयदिकादिति ॥ नृन्यगीनादि
 ति ॥ संपूय ॥ रुकनसंमृग ॥ सगुलाधिपनिविता ॥ यशा ॥ आकखनयायादि ॥ दूजा ॥ वा
 स्या ॥ रुमि ॥ ॐ निरुमिधधनविधि ॥ ॥ थलिन ॥ किवनदवयूजा ॥ जाय ॥